



तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर या
अहकाम
हुकम की
में जारी

8/प्रा.पत्र/22 सूरजमल हीर मालवी

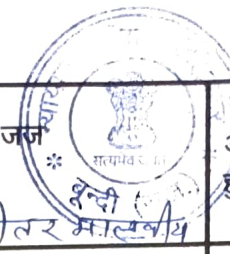
11/3/25

पत्रावली क्षाज आफैथ टेटु पेश हुई थी वकुलाप उपस्थित वकील शर्मा का कथन रहा कि शर्मा जानबूझकर गैर दायिर नही रहा था, शर्मा सूरजमल का स्वस्थ खराब होने के कारण वह अपील में निपत पेशी दिनांक 14/09/2020 को उपस्थित न्यायालय नहीं आ सका था, इसलिए अधिनापत्र शर्मा स्वीकार कर अपील को नम्बर पर लिया जावे। वकील शर्मा द्वारा अपने कथन के समर्थन में मेडिकल रिपोर्ट पेश की गयी। वकील शर्मा की आपत्ति रही कि शर्मा द्वारा अपील में अनुपस्थित रहने का बतया गया कारण मनगंठ है। शर्मा की ओर से पत्रावली पर उसके अधिवक्ता को सूचना रही थी इसके बावजूद शर्मा द्वारा यह अधिनापत्र काफी विलम्ब से पेश किया है। शर्मा ने इस अधिनापत्र के संलग्न अधिनापत्र धारा 5 सिपाद अधिनियम पेश कर दिनांक 06/12/2021 तक का समय मुजरा दिये जाने की प्रार्थना की गयी, जबकि दस्तगत अधिनापत्र दिनांक 30/12/2021 को पेश किया है। इस प्रकार अधिनापत्र अवधि कायित है। तथा सिध्दा तथ्यों पर आधारित होने से खारिज किया जावे।

न्यायालय द्वारा पत्रावली का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया तथा बह्य उभयपक्ष पर मनन किया गया। जिससे पकट आया कि अपील सं. 179/2016 बउनवान सूरजमल

जिला कलेक्टर, मुंबई

व तारीख
म जो इस
तामील
हुए



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>8/घ्रा-पत्र/22 सूरजमल/छीतर मालवीय</p> <p>बनाम छीतरलाल वगैरे अपीलान्त सूरजमल तथा उसके अधिवक्ता के निघत पेशी दिनांक 14/09/2020 को उपस्थित न्यायालय नहीं आने से अदम दायरी अदम पैखी में खारिज की गयी। पेशी पर अनुपस्थिति के संबंध में शर्ची की ओर से पेश दस्तावेज Eteranal Hospital Jaipur की रिपोर्ट माह जुलाई-अगस्त, 2019 के दौरान की है, जबकि उक्त अपील एक वर्ष बाद दिनांक 14/09/2020 को खारिज हुई है। इस प्रकार उक्त दिनांक को शर्ची के बीमार होने के संबंध में प्रस्तुत दस्तावेज सुसंगत नहीं होने से स्वीकार योग्य नहीं पाये गये। यद्यं उल्लेखनीय है कि अपील पत्रवली दिनांक 10/04/17 से बहस हेतु निघत रही है, परन्तु अपीलान्त की ओर से बहस हेतु बार-बार समय लिपा गया। जिलवे प्रतीत होता है कि अपीलान्त शुरू से ही अपील में निगिय के विलम्ब के इयदें से आये थे। अतः शर्चीपत्र में अंकित उच्च विश्वसनीय व संतोषजनक नहीं होने से शर्चीपत्र शर्ची अस्वीकार किया जाता है। न्यायालय की मूल अपील पत्रवली वापस अभिलेखागार में जमा करवायी जावे। इस्तगत शर्चीपत्र फैसले में शुमार होकर दारिल दफतर करवाया जावे।</p> <p>जिला कलेक्टर; बुन्दो</p>	